an>

Title: Need to give remunerative prices for paddy crop in Buxar district in Bihar.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : धन्यवाद उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। महोदय, भारत किसानों का देश है। आज किसानों को उचित दाम न मिलने के कारण और महंगी खेती के कारण वे आत्महत्या करने के लिए विवश हैं। आज बहुतेरे किसान आत्महत्या कर रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों में खासकर धान की फसल की कटाई एक माह पहले से ही प्रारंभ हो चुकी है, किन्तु अनेक राज्यों में अभी तक राज्य सरकारों द्वारा धान के क्रय केन्द्र नहीं खोले गए हैं और न ही लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। विशेषकर बिहार में बहुतेरे किसानों को गत वर्ष पैक्स द्वारा खरीदे गए धान के समर्थन मूल्य का अभी तक भुगतान नहीं किया गया है, जिससे किसानों में काफी क्षोभ है। बिहार में शाहाबाद, जो धान का कटोरा कहलाने वाला क्षेत्र है, जिसके अंतर्गत हमारा संसदीय क्षेत्र बक्सर भी आता है, आज फसल का समर्थन मूल्य नहीं मिलने एवं महंगी खेती के कारण लोग कटोरा लेकर भीख मांगने की स्थिति में आ गए हैं।

महोदय, इसके अलावा बिहार सरकार द्वारा लाभांश मूल्य की राशि की घोषणा पिछले वर्ष धान क्रय के अंतिम चरण में की गयी थी जिसके पूर्व में किसानों द्वारा बेचे गए धान के लिए लाभांश मूल्य का भुगतान नहीं किया गया था, जबकि सरकार द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि पूर्व के भी विक्रेता किसानों को घोषित लाभांश मूल्य का भुगतान किया जाएगा, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हो पाया है।

अतः केन्द्र सरकार से मेरा आग्रह है कि जिन किसानों को पिछले समर्थन मूल्य और लाभांश मूल्य का भुगतान नहीं हुआ है, उसे बिहार सरकार से दिलवाने के लिए आवश्यक पहल करे। इसके साथ ही मेरा केन्द्र सरकार से यह भी अनुरोध है कि केन्द्र सरकार अपनी तरफ से किसानों को कुछ लाभांश देने की दिशा में पहल करे।